Regarding need to repair village roads affected by Ganga Expressway construction in Badaun Parliamentary Constituency, Uttar Pradesh-Laid

श्री आदित्य यादव (बदायूं) : मैं सरकार का ध्यान उत्तर प्रदेश में गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण की ओर आकृष्ट करते हुए अवगत कराना चाहता हूं कि एक्सप्रेसवे के निर्माण में लाखों ट्रक मिट्टी का खनन होता है । यह मिट्टी आसपास के गाँव से ही खनन की जाती है । मिट्टी खोदे जाने से गांव में जगह-जगह तालाब जैसे गड्ढे बन गए हैं । बरसात के दिनों में इन गढ्ढों में पानी भर जाने से कभी भी कोई भी घटना घटित हो सकती है । मिट्टी खनन करके गंगा एक्सप्रेसवे तक ले जाने वाले गांव की सड़कों का बुरा हाल हो जाता है । सड़कें पूरी तरह से टूट जाती हैं । सड़कों में गड्ढे हो जाते हैं । यह भी नहीं पता चलता है कि सड़क पर गड्ढे हैं या गड्ढे में सड़क है । मै सरकार का ध्यान संसदीय क्षेत्र बदायूं के ग्रामों ललबुझिया, रायपुर, गुलडिया, शहपुरा, कपरुआ, रुखड़ा नगला, ब्यौर, धरा, कसेर, बागरपुर, कलिया, बरखिन, पस्तोर, करकटपुर, रानेट, वीरमपुर, पाठकपुर, फतेहपुर, सिरतोला, सिद्धपुर कैथोली, बेहटा की ओर आकृष्ट करना चाहता हूं कि गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण में यहां की सारी सड़कें मिट्टी की धुलाई से पूर्ण रूप से टूट गई हैं । चारों तरफ गड्ढे-गड्ढे हैं । बारिश के दिनों में आसपास पानी भर जाने से मानो दुर्घटना का इंतजार करती रहती है । मैं माननीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री से आग्रह करना चाहता हूं कि गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण में ललबुझिया, रायपुर, गुलडिया, शहपुरा, कपरुआ, रुखड़ा नगला ब्यौर, धरा, कसेर, बागरपुर, कलिपा, बरखिन, पस्तोर, करकटपुर, रानेट, वीरमपुर, पाठकपुर, फतेहपुर, सिरतोला, सिद्धपुर, कैथोली, बेहटा आदि ग्रामों से जो मिट्टी का खनन हुआ है, मिट्टी की धुलाई से जो सड़कें टूटी हैं, उनकी मरम्मत कराए जाने हेतु संबंधित को निर्देशित करने का कष्ट करें ।